तामक तमधैल

तामक तमधैल

जगदीश प्रसाद मण्डल



पल्लवी प्रकाशन
बेरमा/निर्मली

TAMAK TAMGHAIL (तामक तमघैल)
One-Act Play by Shri Jagdish Prasad Mandal

ISBN: 978-93-87675-36-0
दाम: 100/- (भा.रु.)

तेसर संस्करण: 2023

प्रकाशक: पल्लवी प्रकाशन
तुलसी भवन, जे.एल.नेहरू मार्ग, वार्ड नं.: 06, निर्मली
जिला- सुपौल, बिहार: 847452
मुद्रक: पल्लवी प्रकाशन (मानव आर्ट)

वेबसाइट: http://pallavipublication.blogspot.com
ई-मेल: pallavi.publication.nirmali@gmail.com
मोबाइल: 6200635563; 9931654742

फोण्ट सोर्स: https://fonts.google.com/,
https://github.com/virtualvinodh/aksharamukha-fonts
आवरण चित्र: श्रीमती पुनम मण्डल, निर्मली (सुपौल), बिहार: 847452
अक्षर संयोजन: डॉ. उमेश मण्डल

समर्पण

मिथिलाक वृन्दावनसँ लऽ कऽ बालुक ढेरपर बैसल
फुलवाड़ी लगौनिहार एवम्
नव विहान अननिहारकेँ
समरपित

पात्र-परिचय

पुरुख पात्र-

1.	रविन्द्र-	उम्र : 45 बर्ख।
2.	चन्द्रदेव-	उम्र : 45 बर्ख।
3.	सुनरलाल-	उम्र : 35 बर्ख।

स्त्री पात्र-

1.	रागिणी-	उम्र : 65 बर्ख।
2.	बलाटवाली-	उम्र : 60 बर्ख।
3.	पीपरावाली-	उम्र : 25 बर्ख।
4.	अनुराधा-	उम्र : 45 बर्ख।

पहिल दृश्य-

(जेठ मास। एगारह बजैत। जेठुआ दृश्य।)

पीपरावाली- *(माथपर छिट्टामे पुरना पार्ट-पुर्जा साइकिलक नेने)* लोहा-लक्कर बेचै जाइ- जाएब ई.. य..अ..अ..ऐ...? *(रागिणी आ बलाटवाली घरक ओसारपर बैसल गप-सप्प करैत। कवाड़िनक अवाज सुनि..)*

रागिणी- कनी लोहा-लक्करवालीकेँ एम्हरे अबैले कहियौ। *(ओछाइनपर सँ उठि बलाटवाली आगू बढ़ि..)*

बलाटवाली- हइ पीपरावाली, कनी एम्हरे आबह। *(माथपर छिट्टा नेने पच्चीस बर्खक पीपरावाली छपुआ साड़ी पहीरने, पएरक चप्पल फटफटबैत अबैत.. ।)*

पीपरावाली- काकी, कनी छिट्टा टेक देथु। *(दुनू गोरे छिट्टा उतारि निच्चाँमे रखैत। माथ परहक बीड़बा निच्चाँ रखि आँचरसँ चानिपर चुबैत पसीना पोछैत। तैबीच रागिणी भीतरसँ -घरसँ- एकटा तामक तमघैल आनि आगूमे रखैत..)*

रागिणी- कनियाँ, हमरा तँ बुझले ने छेलए जे तोहूँ लोहा-लक्करक कारोबार करै छह। नै ते...?

पीपरावाली- दादी, अपने करै छी आकि दीन करबैए?

रागिणी- सासु-ससुर आ घरबला नै छह?

पीपरावाली- सासु-ससुर तँ घिना कऽ मुइल जे घरोबला तेहने अछि।

रागिणी- से की?

पीपरावाली- की कहबैन। पतिक खिघांस केने तँ पाप लागत। मुदा छिपौनौं तँ जिनगीए जाएत।
(*गुन-धुनमे पीपरावाली पड़ि जाइत..*)

बलाटवाली- दीदी, अही वेचारीक की सुनथिन। अपने सबहक नै देखै छथिन। हिनके बेटा-पुतोहु छैन, दस-बारह बर्खसँ कम गाम एना भेल हेतनि।

रागिणी- बाहरम बरख छी।

बलाटवाली- हिनके की कहबैन, हमरे नै देखै छथिन जे जहियासँ घरबला मुइल तहियासँ दुनू-बेटा-पुतोहु कोनो गरना मे रहए देने अछि। तखैन तँ अपना लुरिये-बुधिये जीबै छी।
(*रागिणी आ बलाटवालीक बात सुनि पीपरावाली..*)

पीपरावाली- दादी, ई बड़का छैथ। हम कहुना भेलौं तँ हिनकर धिए-पूते भेलिऐन। धिया-पुता जे माए-बाप लग झूठ बाजे सेहो नीक नै।

बलाटवाली- माइए-बाप किए कहै छहक, लोककेँ झूठ बजबे नै करक चाही।

पीपरावाली- काकी, कहलैथ तँ बेस बात, मुदा हम सभ तँ धंधा करै छी। झुठेक खेती छी। निच्चाँ-ऊपर सगतैर एक्के रंग।

रागिणी- बलाटवाली, जहिना अहाँ भरि दिन खुरपीसँ घास छिलै छी तहिना जे गपोकेँ छिलबै तँ उ घास जकाँ उखड़त की आरो असुआएल लोक जकाँ छिड़िया कऽ पसैर जाएत।

बलाटवाली- हँ, तँ आगू की कहए लगलहक हइ पीपरावाली?

पीपरावाली- घरबला दऽ कहए लगलयैन। की कहबैन काकी, बजैत लाज होइए। जहिना बुढ़बा -ससुर- तरिपीबा रहए तहिना बेटो छै? (*कहि चुप भऽ पुन: आँचरसँ चानि पोछए लगैत..*)

रागिणी- कमाइ-खटाइ नै छह?

पीपरावाली- से जे कमैते तँ अहिना रौदमे वौऐतौं। बापकेँ तँ खेत-पथार रहै बेचि-बिकिन कऽ पीलक। आब तँ ने खेत पथार अछि आ ने कमाइबला।

रागिणी- बच्चा कएटा छह?

पीपरावाली- दू भाए-बहिन अछि। जेठका छह बर्खक आ छोटकी चारि बर्खक।

रागिणी- अपने जे भौरी करए चलि जाइ छह तँ बेटा-बेटीकेँ बाप देखै छै किने?

पीपरावाली- की देखितै जनिपिट्टा। भरि दिन पीब कऽ अड़-दड़ बजैत रहैए। जहाँ किछ बाजब की सोहाइ लाठी लगा दइए।

बलाटवाली- तोहूँ किए ने उनटा दइ छहक?

पीपरावाली- धुर काकी, ईहो सएह कहै छैथ। कुल-खनदान की पुरखेटा बँचबैए आकि जनीजातियो। हमरा जे केतबो देह धुनत तँ ओकरा दोख नै लगतै मुदा हम जे उनटा देबै तँ कुल-खनदानक नाक कटतै आकि नै?

रागिणी- भरि दिनमे केते कमा लइ छहक?

पीपरावाली- दादी, कमाइएपर ने ठाढ़ छी। दुनू बच्चोकेँ पोसै-पालै छी आ घरोबलाकेँ पाँच-दस रुपैआ पीऐ लऽ देबे करै छिऐ ने?

बलाटवाली- एहेन छुतहर घरबला छह तँ किए ने छोड़ि दइ छहक?

पीपरावाली- काकी, मरलो-जड़ल अछि तँ घरेबला छी। यएह कहथु जे जे सुख घरबलासँ होइ छै से दोसरसँ हएत।

रागिणी- आब तँ हुसि गेलह। नै जे पहिने बुझल रहितए जे गाममे तोहूँ लोहा-लक्करक कारबार करै छह तँ तोरे दैतिअ।

पीपरावाली- केकरा हाथे बेचलखिन?

रागिणी- झंझारपुरक एकटा वेपारी अबैए, ओकरे हाथे।

पीपरावाली- झंझारपुरबला वेपारी तँ गरदैन कट सभ छी।

रागिणी- से की?

पीपरावाली- अनकर की कहबैन, अपने कहै छिऐन। आठ बरख पहिने हमर बाप खुआ चानीक हँसुली दुरागमनमे देलक। ऐठाम दिन घटल। पाँच बर्खक पछाइत जरवैन वएह हँसुली ओही वनीमा ऐठाम बेचए गेलौं तँ रूपा कहि अधिये दाम देलक।

रागिणी- छोड़ह दुनियाँ-जहानक गप। अपन बाल-बच्चा, घर-परिवारक गप करह, जे केना ठाढ़ रहत? केकरा कहब भल आ केकरा कहब कुभल। कोइ अपना ले करैए।

बलाटवाली- कनियाँ, नैहरोमे यहए काज करै छेलह?

पीपरावाली- (*दुनू आँखि मीड़ैत..*) काकी, हिनकर पएर छूबि कहै छिऐन, कहुना भेली तँ माइए-पितिआइन भेली। गाम मोन पड़ैए ते...?

बलाटवाली- चुप किए भेलह? ऐठाम की कियो पुरुख-पातर अछि जे धरवाइ छह। नैहरामे के ने खेलाइ-धुपाइए।

पीपरावाली- धुर बुढ़िया नहितन। एक्को-पाइ बजैमे संकोच नै होइ छैन।

रागिणी- ओहिना बलाटवाली चौल करै छह। बाजह...?

पीपरावाली- दादी, नैहर मोन पड़ैए तँ सुमारक होइए। माए-बापक बड़ दुलारू छेलिऐ। चारि भाँइक बीच असगरे बहिन छिऐ।

रागिणी- बिआह करै काल बाप देखा-सुनी नै केने छेलखुन?

पीपरावाली- अनकर दोख की देबै दादी। दोख अपन कपारक। जे कपारमे सटि गेल सहए ने हएत।

रागिणी- हँ, से तँ सएह होइ छै। मुदा तैयो तँ लोक लड़का-लड़कीक मिलान देख ने बिआह करैए।

पीपरावाली- सोझमतिया बाप ठकहरबा सबहक भाँजमे पड़ि गेल।

रागिणी- ऐठामसँ आरो आगू जेबहक की घूमि जेबहक?

पीपरावाली- भऽ गेल भरि दिनक कमाइ। बालो-बच्चा देखना बड़ी खान भऽ गेल आ रौदो चंडाल अछि।
(*तमघैल उनटा-पुनटा कऽ देख बलाटवाली..*)

बलाटवाली- आब ऐ सबहक कोनो मोल रहल दीदी। घरमे अन्न रहत तँ लोक माटियोक बरतनमे रान्हि-पका खा सकैए।

रागिणी- बड़ी खान तोरो भऽ गेलह कनियाँ। एक्केठाम बैसने काज नै चलतह। बाजह, केते दाम देबहक?

पीपरावाली- दादी, हिनका लग झूठ नै बाजब। एक तँ केते दिनसँ कारेवार करै छी। तहूमे एहेन तमघैल आइ पहिले दिन अभरल हेन। आइ रखि लथु। भाओ बूझि कऽ दोसर दिन लऽ जाएब।

रागिणी- एकरा नेने जाह। जेतेमे बिकेतह तइमे तूँ अपन बोइन निकालि दऽ दिहऽ।

बलाटवाली- बड़ निम्मन चीज छैन।

रागिणी- जहिना सासु-ससुरक बीचक जिनगी, बेटा-पुतोहुक बीच बदैल जाइ छै तहिना अहू तमघैलकेँ भेल।

पीपरावाली- से की दादी, से की?

रागिणी- (*विस्मित होइत..*) की कहबह! नैहरमे जहिया देलक आ ऐठाम आएल तहिया घरक गिरथानि भऽ रुपैआ-पैसा रखैक तिजोरी बनल रहए। मुदा जखैन चोर-चहारक उपद्रव बढ़ल तखैन बुढ़हा -ससुर- झँपना दऽ ओछाइनिक तरमे गाड़ि कऽ रखै छला। आब तँ सहजे घरे ढनमना गेल तँ एकरा के पूछत।

बलाटवाली- कनियाँ, दीदियोकेँ खगता छैन। ताबे नून-तेल करैले अधो-छिधो दऽ दहुन आ लऽ जाह।

पीपरावाली- (*पचास रुपैआक नोट दैत..*) दादी, ताबे एते रहए देथुन। एक खेप गामपर सँ रखने अबै छी। एक घोंट पानियोँ पीब लेब।

बलाटवाली- अखैन खाइ-पिबै बेर भऽ गेल। जँ अखैन नहियोँ आबि हेतह तँ ओही बेरमे, बेरू पहर लऽ जइहऽ।

पीपरावाली- हँ सेहो हएत। जँ आइ नै आबि हएत तँ काल्हियो लऽ जाएब।

रागिणी- आब तोहर चीज भेलह। देखते छहक चोर-चहारक उपद्रव। तँए नीक हेतह जे साँझो पड़ैत आइए लऽ जइहऽ।

पीपरावाली-	बड़ बढ़ियाँ! ❑

दोसर दृश्य-

(*खड़र-चुन मिला, रागिणी अल्मुनियम डेकचीक पेनमे लगबैत..*)

रागिणी- कपार फुटने लोकक सभ किछु फुटए लगै छै आ जुटने सभ किछु जुटए लगै छै। जखैन नूनो-तेल जोड़ैमे भीड़ पड़ैए तखैन डेकची कीनब असान अछि। केते दिन चुन-खड़र साटि काज चलत। जखैन फुटि गेल तखैन आरो बेसीए होइत जाएत की दढ़ हएत।

(*बाड़ीए देने झटकल बलाटवाली अबैत...*)

रागिणी- किए सिताएल नढ़िया जकाँ बाड़ीए-बाड़ी पड़ाएल

एलह हेन?

बलाटवाली- (*हँफैत*) की कहबैन दीदी, ई की कोनो नै जनै छथिन जे जेहने बेटा अछि तेहने पुतोहु। बीचमे हम दुश्मन।

रागिणी- की करबहक, जखैन बेटे माएकेँ नै चिन्हलक, जेकरा नअ मास पेटमे रखलक तखैन पुतोहु तँ सहजे दोसराक बेटी छी।

बलाटवाली- कहै तँ दीदी ठीके छथिन, मुदा इएह कहथु जे ओइ घर-दुआरमे हमर किछो ने अछि। हम केतौसँ दहा-भसा कऽ आएल छी।

रागिणी- से के कहै छह! लोकक मतिये मरा गेल अछि। जे माए-बाप दादा-दादी एतेटा जिनगी बिता एते

देखलक ओ किछु ने आ छौड़ा-छौड़ी किछु ने देखलक ओ बुद्धियार भऽ गेल अछि। से नै देखै छहक।

बलाटवाली- हँ, से तँ देखै छिऐ। सभ कहैए जे जुग-जमाना बदैल गेल आ बदलल किच्छो देखबे ने करै छिऐ तँ केना बिसवास हएत।

रागिणी- जहिना दिशांस लगने लोक पूबकेँ पछिम आ उत्तरकेँ दछिन बुझए लगैए तहिना भऽ गेल अछि।

बलाटवाली- नै बुझलयैन?

रागिणी- जुग-जमाना बदलल नै आगू डेग बढ़ौलक हेन। बदलैक माने होइ छै एकटाकेँ हटा दोसर आनब। से नै भेल हेन। जँ से होइते तँ देखतहक सभ किछु आगिमे जड़ि गेल आकि बाढ़िमे दहा गेल आ फेरसँ सभ किछु नवका भऽ गेल।

बलाटवाली- छोड़थु ऐ मगजमारी गपकेँ। अपन बात बिसैर जाएब। अनकर गप सुनने मगज भरिएबे करै छै। जाबे अपन बात नै बुझब ताबे माथ हल्लुक केना हएत?

रागिणी- की भेलह हेन जे एते...?

बलाटवाली- की कहबैन खेलरा-खेलरीक गप, दुनू एक्के रंग अछि। एते दिन मौगीक गप नीक लगै छेलै, आब जे हुकुम चलबए लगलै तँ बकछुहुल लगै छै।

रागिणी- तूँ तँ केहेन बढ़ियाँ जीबै छह। दुनू पहर दू पथिया घास अनै छह आ दुनू साँझ खाइ छह। बेटा-पुतोहु जे घर दफानियेँ लेलकह तँ आरो जान हल्लुके केलकह किने?

बलाटवाली- हँ, से तँ भेल। मुदा से देखल जाइए। जेते काल बाधमे रहै छी तेतबे काल ने, जखैन अँगनामे रहै छी तखैन केना देखल जाएत।

(*तही बीच सुनरलाल ललकैत अबैए..*)

सुनरलाल- दादी, ऐ बुढ़ियाकेँ पुछियौ जे किए छिटकल घुरैए।

बलाटवाली- दीदी, ऐ छौड़बाकेँ पुछथुन जे हमरा माए बुझैए। तखैन तँ अपन बनौल घर छी, लछमीक (गाए) सेवा करै छी वएह पार लगौती।

सुनरलाल- हम तोरा माए नै बुझलियौ आकि अपने पुतोहुकेँ कपारपर चढ़ा लेलेँ। जे तोरा कपारपर चढलौ ओ कुदि कऽ हमरा कपारपर नै चढ़ि जाएत।

बलाटवाली- हँ रौ, चारू कातसँ हारलेँ हेँ तखैन तूँ हमरा बुझबै छेँ। आइ तक एक्को दिन भेलौ जे माएकेँ कोनो तीरथ करा

दिऐ। ई तँ धैन दीदी जे लाटमे जनकोपुर, सिंहेसरो आ कुशेसरो देखलौं।

रागिणी- (*बलाटवालीकेँ चोहटैत*) तोहूँ बड़े बजै छह, अखैन तक अपन उमेरोक ठेकान नै छह। किए बुढ़ियापर बिगड़ल छहक बौआ?

सुनरलाल- माएपर किए बिगड़ब। देखियौ जे हाथपर ओते पाइ नइए जे पनरहम दिन बेटाक नाओं कोचिंगमे लिखाएब तैपरसँ कन्यादानी नोत सासुरसँ चलि आएल हेन?

बलाटवाली- दीदी, बात छिपा कऽ बजै छैन। ई दुनूटा चाहैए जे गाए बेचि भोज खा आबी।

रागिणी- कनी फरिछा कऽ कहऽ?

बलाटवाली- ऐ धड़कटहाकेँ पुछथुन जे मात्रिक उसैर गेल आकि अछि। इज्जत बँचबै दुआरे भातिज सभकेँ कहि देलिऐ जे बौआ, आब ओते चलि-फिर नै होइए जे आएब-जाएब करब। ओहो सभ परदेशीया, गाम अबैए तँ दस-बीस रुपैओ आ लत्तो-कपड़ा दऽ जाइए। एकरा पुछथुन जे एक बीत नुओ कीनि कऽ दइए।

रागिणी- तोहूँ बड़ रगड़ी छह बलाटवाली। कनी फरिछा कऽ कहऽ बौआ?

सुनरलाल- दादी, ननौरवालीक बहिन बेटीक बेटीकेँ बिआह छी। सभटा परदेशीया भऽ गेल। नवका-नवका विधि बेवहार सभ करैए। पुरना गामक लोक लए छोड़ि देने अछि। रमेशक सभ संगी झंझारपुर कोचिंगमे नाओं लिखौत, ओकरा हम नै लिखेबै से केहेन हएत?

रागिणी- ऐ काजमे के मुहछी मारतह। भगवान करथुन चारियो अक्षर जे पढ़ि लेतह ओते नीके हेतह किने। अहुना लोक बजैए जे पढ़ल-लिखल हरो जोतत तँ सिरौर सोझ हेतै। कनियाँक की विचार छैन?

सुनरलाल- ओ कहैए जे सबहक ठाठ-बाठ बजरूआ रहतै तैठीन जे हम जाएब से केना जाएब। हमरा देख ओ सभ हँसत नै।

रागिणी- बौआ, जाबे असथिर मोनसँ घरक नीक-अधला नै बुझबहक ताबे अहिना हेतह। तोरा जे कहबह से अपने नै देखै छह। बेटा-पुतोहु शहरमे खेत कीनलक हेन। घर बनौत। आ हम ऐठाम नून-तेल ले मरै छी।

सुनरलाल- अखनो जे एकरती चुहचुही अछि से अही बुढ़ियापर। खेत-पथारक कोनो लज्जैत अछि। गोरे बेर बाढ़िये चलि अबैए तँ गोरे बेर रौदीए भऽ जाइए।

गोटे साल हबे तेहेन बहैए जे दने भौर भऽ जाइ छै। किड़ी-फतीगिंक चरचे कोन।

रागिणी- बौआ, घरक पुरुख तँ तोंही ने छहक? तोंही ने गारजन भेलहक?

सुनरलाल- हँ, से तँ छिऐे मुदा कियो मोजर देत तखैन ने। ई बुढ़िया अखनो बेदरे बुझैए तँ घरवाली की बुझत?

बलाटवाली- थुक देथुन एहेन छौंड़बाकेँ?

रागिणी- दुनियाँमे माइयक सेवा बेटा लेल ओहन होइत जेकर जोड़ा नै छै। तखैन रंग-बिरंगक माए-बाप, बेटा-बेटी भऽ गेल अछि। तँए दुनियाँ दिस नै देख अपन ऐनामे माएकेँ देख हृदैमे समुचित जगह देबाक चाही।

बलाटवाली- दीदी, पैघ फड़क पैघ लत्ती होइ छै, मुदा छोटक तँ छोटे होइ छै।

रागिणी- हँ से तँ होइ छै। अच्छा बौआ, एते दूरक लत्ती केना पकैड़ लेलकह। नैहर-सासुर धरिक लत्ती तँ ठीक छै मुदा नोनी साग जकाँ केना एते चतैर गेलह।

सुनरलाल- दादी, की कहब। ई सार मोबाइल जे ने करए। मोबाइलेपर नोत-पिहान, ए.टी.एम.सँ लेन-देन तेहेन रस्ता धड़ा देलक हेन जे फुदियोसँ बेसी लोक उड़ए लगल हेन।

रागिणी- बौआ, अनकर की कहबह, अपना पोताकेँ दस बरख भऽ गेल अछि, अखैन तक एक नैन देखलौं तक नै। तखैन तँ छातीमे मुक्का मारनहि छी जे जखैन बेटे नै तखैन पुतोहुए आ पोते-पोती केतए।

सुनरलाल- तखैन की करी दादी?

रागिणी- बौआ, किछु जे धाँइ दऽ कहि देबह से नीक नै हएत। किए तँ घरमे (*परिवारमे केते*) केते रंगक लोक रहैए। अपना रंगे सभ देखै छै। तँए एक्के बात एककेँ नीक लगै छै दोसरकेँ अधला। जेकरा अधला लगतै ओ तँ अधले कहत।

सुनरलाल- दादी, अहाँक बात माएओ मानैए। अहाँ जे कहब सएह करब।

रागिणी- बौआ, देखहक जखने कमाएत कोइ आ खर्च करत कोइ तखने किछु-ने-किछु गड़बड़ हेबे करत।

सुनरलाल- तखैन?

रागिणी- यएह जे परिवारकैं सभ संस्था बूझि इमनदारीसँ जीबए।

सुनरलाल- ननौरवाली केना सुढ़ियाएत?

रागिणी- बौआ, बेटा तोरे नै ननौरोवालीक छिऐ। स्कूलमे की खर्च होइ छै से तँ तूँ बुझै छहक। मुदा माए नै बुझै छै। तँए कहक जे रमेशक नाओं स्कूल जा लिखा दियौ।

बलाटवाली- बेस कहलिऐ दीदी। बैसल-बैसल देह पोसैए आ बात गढ़ैए। भने कहलिऐ?

सुनरलाल- कहने थोड़े चलि जाएत। कहत जे बुझले ने अछि वौआ जाएब।

रागिणी- (*मुस्कियाइत*) बौआ, यएह बात सभकैं बुझए पड़तै। सोझहे कौआ जकाँ अकासमे कुचड़ने नै ने हेतै।

बलाटवाली- दीदी कहथुन ने, जे हाटपर दू सेर सीम, भट्टा कीनत तँ संगे दुनू गोरे जाएत। आ स्कूलमे जा कऽ नाओं लिखा देतै, से नै हेतै। तैकाल पाग उतैर जेतै।

रागिणी- बेस तँ कहलहक। ❑

तेसर दृश्य-

(डेराक बरामदा। चारि कुरसी एक टेबुल। टेबुलक एक भाग रविन्द्र आ दोसर भाग अनुराधा बैसल..)

रविन्द्र- की समय आ की सपना छल। आइ की देख रहल छी।

अनुराधा- जेना बूझि पड़ैए जे कौलेजक ओ दिन मोन पड़ि रहल जइ दिन अहिना कौमन रूममे बैस गप-सप्प करैत रहै छेलौं।

रविन्द्र- हँ, सपना तँ साकार भेल जे जहिना अहाँ देख संगी बनेबाक इच्छा भेल। मुदा एकटा कहू जे ओइ समय अहाँ की सोचैत रही। जे कौलेजसँ निकलला बाद की करब?

अनुराधा- (*विस्मित होइत*) सभ कर्मक खेल छी। जा धरि संगीक बंधनमे नै बान्हल गेल छेलौं ताधैर एकटा झिझरीदार परदा बीचमे छल, जे आब नइए।

रविन्द्र- की मतलब?

अनुराधा- मतलब यएह जे सृष्टिक एक कर्ता रूपमे अपनाकेँ पाबि रहल छी। मुदा...?

रविन्द्र- मुदा की?

अनुराधा- अपन प्रवल इच्छा रहए जे प्रोफेसर बनि बाल-

बोधकेँ बाट देखाएब मुदा आइ बूझि पड़ैए जे अपनो बाट अन्हराएले जा रहल अछि।

रविन्द्र- से की?

अनुराधा- यएह जे एम.ए.क डिग्री बेकार लेलौं। की जिनगी अछि? यएह ने जे भानस करै छी अपनो खाइ छी आ अहूँ सभकेँ खुआबै छी।

रविन्द्र- (*मुस्की दैत*) एकरा कम बुझै छिऐ?

अनुराधा- कम तँ नै छिऐ मुदा जेकरा मौनसूनक बोध नै रहत ओ जँ हथिया नक्षत्रक बर्खा देखत, से केते काल?

रविन्द्र- गप-सप्पक ओझरी की तिआरि जालसँ कम होइए। एकबेर ओझराएत तँ ओकरा फेकै पड़त। अच्छा, ओइ सभ गपकेँ छोड़ू अखुनका गप करू।

अनुराधा- जखैन अपन जमीन भऽ गेल तखैन अनेरे आठ हजार भाड़ाबलाकेँ किए दइ छिऐ?

रविन्द्र- भरिसक जमीन बेचए पड़त। घर नै बना पाएब।

अनुराधा- एना निराश किए भेल जाइ छी?

रविन्द्र- निराश केना नै हएब! ने कोनो बैंकक नोकरी करै छी जे दरमहो बेसी आ कमीशनो भेटत आ ने प्रशासनिक सेवामे छी जैठाम 'राम-नाम'क लूट भऽ रहल अछि।

अनुराधा- (मुड़ी डोलबैत) हँ से तँ बान्हल दरमाहा अछि। एकटा करू, किछु ट्यूशने करू आकि कोनो कोचिंगे पकैड़ लिअ।

रविन्द्र- ई ने तँ बुझै छिऐ जे बर-पीपरक गाछ जकाँ मनुक्खो अछि, चालिस टपि गेलौं। अखैन तँ चश्मे टाक जरूरत भेल हेन, आगू तँ बाँकीए अछि।

अनुराधा- तखैन?

रविन्द्र- तखैन की अहू तँ संगे पढ़ने छी। संगीए छी तखैन आइ किए पुछै छी।

अनुराधा- पुछब बड़ अधला भेलै। ऐ घरक चिन्ता अपने नै करब तँ कियो आन आबि कऽ देत।

रविन्द्र- से तँ नै करत मुदा एकटा बात कहूँ जे जइ दिन दरमाहा उन-सँ-दून भेल आ तइसँ दुनू गोरेक मोन खुशी भेल। जइ खुशीमे बजारसँ सजा कऽ अनने रही। तइ दिन आमदनी तँ देखलिऐ मुदा खरचा देखलिऐ। छह महिनासँ घरक भाड़ा विवादमे पड़ल अछि। ओ आठ हजारसँ दस हजार कऽ देलक। बेसी बात नै करब, एक्केटा बात कहू जे मोबाइलेमे केते महिना उठैए।

अनुराधा- (*गुम्म भऽ उपरो-निच्चाँ देखैत आ मुड़ियो डोलबैत..*) मुड़ियो डोलबैत।

रविन्द्र- गुम्म किए छी। समाजक पढ़ल-लिखल लोक तँ

अपने सभ छिऐ।

अनुराधा- हँ, से तँ देखै छी रंग-बिरंगक खरचा बढ़ि गेल हेन। एते दिन किताबो-पत्रिका पढ़ि-पढ़ि समय बितबै छेलौं आब जे टी.बी. अछि तँ बिजलीक लाइने ने रहै छै।

रविन्द्र- अपनो मोन जेना किताब दिससँ उचटले जाइए। एते दिन इच्छा रहै छेलए जे किछु नव चीज पढ़ि विद्यार्थीकेँ पढ़ाबी मुदा आब तँ रटले साँक मंत्र जकाँ, बकि दइ छिऐ।

अनुराधा- (*रिंग सुनि मोबाइल उठा*) हेलो?

चन्द्रदेव- हँ, हँ मुम्बईसँ चन्द्रदेव बाजि रहल छी।

अनुराधा- (*सुखल हँसी हँसि..*) आहा हा, चन्द्रदेवबाबू?

चन्द्रदेव- हँ, हँ अनुराधा जी?

अनुराधा- हँ, हँ, हँ।

चन्द्रदेव- अहींक शहर आबि गेल छी। एक घंटाक समय खाली अछि तँए सोचलौं जे मिलि-जुलि ली। पान-सात मिनटमे डेरा पहुँच रहल छी।

अनुराधा- अबस्स-अबस्स अबिऐ। दोसो डेरेपर छैथ।

चन्द्रदेव- गाड़ीमे मोबाइल गड़बड़ाइए। आगूक गप डेरेपर हेतै।

रविन्द्र- चन्द्रदेव सेठ भऽ गेल। पँच-पँचटा नोकर। अपन तीन-तीनटा गाड़ी।

अनुराधा- जेकर भाग चमकै छै तेकरा अहिना होइ छै।

रविन्द्र- कहलिऐ तँ बेस बात मुदा ई बुझै छिऐ जे एक्के कौलेजसँ निकलल एक गोरे लाखक कमाइ करैए आ एक गोरे पाँच हजारपर शिक्षा मित्र अछि।

अनुराधा- हँ, से तँ अछि।

(*नव मोडलक पोशाकमे चन्द्रदेवक प्रवेश..*)

रविन्द्र- (*दुनू हाथे बाँहि पकैड़ छाती मिलबैत..*) भाय, भाय, अहाँ तँ बड़का लोक भऽ गेलौं।

चन्द्रदेव- नै-नै भाय, मनुख केतौ रहए मुदा हृदए तँ वएह रहै छै। की अनुराधा जी।

अनुराधा- (*सरमाइत*) चन्द्रदेवबाबू केतए आ अनुराधा केतए। आब ओ सभ पैछला गप स्मृति बनि किछु मनो अछि आ बेसी बिसरिये गेलौं।

चन्द्रदेव- मुनेसरक दोकानक छोला आ कपरकट्टा दोकानक गुप-चुप।

अनुराधा- जइ दिनक जे भोग-पारस छल भेल। आइ जे अछि से भऽ रहल अछि।

चन्द्रदेव- भाय, अपन घर छिअ आकि भाड़ाबला?

रविन्द्र- (*मलिन होइत..*) भाय, एते दिन अशो छल मुदा...?

चन्द्रदेव- मुदा की?

रविन्द्र- अर्थक जालमे ओझरा गेल छी। गुण अछि जे बेसी धिया-पुता नै अछि।

चन्द्रदेव- परिवार नियोजन करा लेलह?

रविन्द्र- हँ, मुदा दुइओटा कैँ पार लागब कठिन बूझि पड़ि रहल अछि।

चन्द्रदेव- भाय, जेते भारी जिनगीकैँ बुझै छहक ओते भारी कहाँ अछि। अपनासँ बेसी वाइफ कमाइए।

अनुराधा- ओहो नोकरी करै छैथ?

चन्द्रदेव- नै। लाइसेंस करा कऽ अपन एकटा ब्रांच खोलने छी। पचाससँ ऊपरे एजेंट काज कऽ रहल अछि।

अनुराधा- पैघ लोकक पैघ बात।

रविन्द्र- हमरो कोनो विचार दाए तँ...?

चन्द्रदेव- गाममे की कम सम्पैत छह। बेचि कऽ लऽ आनह। कहबे केलह जे दू कट्टा जमीन कीनने छी। निच्चाँ-ऊपर मकान बना लैह। तेते भाड़ा हेतह जे घरक काज अनेरे हराएल रहतह।

रविन्द्र- भाय, तेना ने तोरा देख हेरा गेलौं जे चाहो-पान पछुआ गेल।

(*अनुराधा भीतर जाइत..*)

चन्द्रदेव- जखैनसँ गाड़ीसँ उतरलौं तखैनसँ बूझि पड़ैए जे गरमे देह झड़कैए।

रविन्द्र- की कहबह ऐठामक पानि-बिजलीबला सबहक किरदानी।

चन्द्रदेव- से की?

रविन्द्र- देखते छहक जे एते गरमी अछि बिजलीक केतौ पता नै।

(*पानि-चाह आनि अनुराधा टेबुलपर रखैत। तीनू गोरे तीनू दिस बैस, पानि पीब चाह पिबैत..*)

अनुराधा- चन्द्रदेवबाबू, केते दिनसँ अपनो मोनमे नचै छेलए जे गामक खेत-पथार बेच, एतै बेवस्था कऽ ली मुदा अपने दुविधामे पड़ल छैथ।

चन्द्रदेव- से की?

रविन्द्र- माए गाममे अछि। जँ हम बेचए चाहब आ ओ नै बेचए दिअए तखैन की करब। माए बेटामे झगड़ा करब?

अनुराधा- हक-हिस्सा ले तँ लोक बापोसँ झगड़ा करैए आ अहाँ

माइयेक गप करै छी।

रविन्द्र- बापसँ झगड़ा करब नीक मुदा माएसँ..? ❑

अन्तिम दृश्य-

(रागिणीक पुरान घर। बरसातक झमारल..)

रविन्द्र- माए, छुट्टी नइए। बरह-बजिया गाड़ीसँ चलि जाएब।

रागिणी- एते औगताएल किए छह। एते दिनपर एलह, तखैन एते किए औगताएल छह। कम-सँ-कम, जहिना कोटमे जेते मासक एस्काउन्ट रहल तेते दिन कस्टडीमे रखि जमानत भऽ जाइ छै तहिना कम-सँ-कम, दसो दिन तँ रहऽ।

रविन्द्र- अखैन बहुत कड़ाइ कौलेजमे चलि रहल अछि। एते दिन तँ नहियोँ गेने काज चलि जाइ छेलए। आब तँ विद्यार्थी आबह कि नै आबह मुदा प्रोफेसरकेँ जाएब अनिवार्य भऽ गेल अछि।

रागिणी- माल-जालकेँ लोक बान्हि कऽ रखैए, मनुखकेँ कियो थोड़े बान्हि कऽ रखि सकैए।

अनुराधा- माए, हमसब किम्हर एलिऐन से तँ पुछबे ने केलैथ?

रागिणी- अपनो घरमे लोककेँ एहन बात पुछल जाइ छै जे तोरा सभकेँ पुछबह।

अनुराधा- काजे आएल छी।

रागिणी- केहेन काज, बाजह?

अनुराधा- से तँ बेटा सोझहेमे छैन, पूछि लेथुन।

रागिणी- से की बौआ नै सुनैए जे पुछबै। बाजत तँ वएह ने। बिना बजने थोड़े बुझब।

रविन्द्र- माए, पाँच बरख जमीन कीनना भऽ गेल। सोचने रही जे ऐ साल जमीन कीनि लइ छी आ अगिला साल घर बना लेब। से गरेपर ने चढ़ैए।

रागिणी- से तँ अपने बुझबहक? जे की सोचलौं आ की होइए। हम स्त्रीगण जाति की बुझबै जे घर केना बनौल जाइए। ईहो (अपन घर देखबैत..) तँ अपने (पति) बनौल छिऐन जे कष्टो काटि कऽ आसरा अछि।

रविन्द्र- माए, जहिना अरामसँ कमाइ छी तहिना अरामे सँ खरचो भऽ जाइए।

रागिणी- से की?

रविन्द्र- कोनो की एक रंगक खर्च अछि। जहिना उन-सँ-दून दरमाहा बढ़ल तहिना ने खरचो उन-सँ-दुन भऽ गेल अछि। केतबो बचा कऽ रखए चाही छी, कहाँ बँचि पबैए।

रागिणी- खाएर, छोड़ह ऐ सभ गपकेँ। की कहलह जे काजे...?

रविन्द्र- दुनू प्राणी विचारलौं हेन जे गामक चीज-वौस बेचि कऽ घर बना लेब। अनेरे जे एते भाड़ा भरै छी से तँ नै भरए पड़त।

रागिणी- ऐठामक जे चीज-वौस बेचि लेबह तँ हम केतए रहब?

अनुराधा- किए, हिनका रहैले घर नै छैन। बेटा कियो बीरान छिऐन।

रागिणी- से के बीरान कहत। मुदा...?

अनुराधा- मुदा की?

रागिणी- मनुख दू जिनगी जीबैए। एक बेटा-बेटीक दोसर माए-बापक। जाबे सासु-ससुर जीबै छला, ताबे बेटी जकाँ रहलौं। मुदा ई तँ दुनियाँक खेले छी जे सभ सभ दिन नै रहत। जहाँ धरि बनि पड़ल तहाँ धरि एक्को दिन सासुक मुहेँ अवाच् कथा नै सुनलौं।

अनुराधा- की कहै छथिन से नै बूझि रहलयैन हेन?

रागिणी- अमरूख लोकक बात जे पढ़ल-लिखल बुझैत तँ अहिना दुनियाँ रहैत। छातीपर हाथ रखि बाजह जे दस-बारह बरिससँ एक्को-पाइ नूनो-तेल ले देलह?

अनुराधा- ई दोख हिनकेटा मे नै, हिनका सन-सन सभ सासुमे आबि गेल हेन।

रागिणी- ऐमे तोहर दोख नै छह, दोख छै जुग-जमानाक विचारकेँ। जेहेन जुग हएत तेहने ने विचारो हएत आकि जेहने विचार हएत तेहने ने जुगो हएत। परोछा-परोछी नै बजै छी, सोझमे कहलिअ हेन। धरमागती बाजह।
(*तत्-मत् करैत अनुराधाकेँ देख..*)

रविन्द्र- माए, तोहर बात कटैबला नै अछि। तखैन मोनमे यएह रहल जे सभ किछु तँ ऐछे तखैन जरूरते की पड़तै।

रागिणी- तूँ पुरुख जाति किआँने गेलहक माइयक छातीकेँ, जे बच्चाकेँ छातीक दूध पिआ ठाढ़ करै छै ओकरा आगूसँ जँ बच्चा हटा लेल जाए तँ ओइ माइक दशा की हएत?

रविन्द्र- (*मुड़ी डोलबैत*) हँ, से तँ हएत।

रागिणी- हम तोरा कहाँ कहै छिअ जे कमा कऽ सभटा हमरे दऽ दए, ओते खगतो ने अछि। तूँ नोकरी करै छह, सरकारक काज करै छहक, मुदा पुतोहु बाल-बच्चा। जँ एहेन पुतोहु भगवान दैथ जिनकर हाथक भोजन पइठ नै हुअए तइसँ नीक जे नहियेँ दैथ।

रविन्द्र- से की, से की माए?

रागिणी- किछु ने।

रविन्द्र- मोनमे एते दुख नै कर।

रागिणी- दुखो वएह नीक होइ छै जइसँ किछु भेटै छै। जइसँ किछु भेटल नै तइसँ नीक जे मोनमे दुख अबै ने दी। जहिए अपने (पति) संग छोड़लैन तइ दिन मोनकेँ बुझा देलिऐ जे संग पुरैक हाथ जे पकड़ने छला तिनकासँ हाथ छुटि गेल।

अनुराधा- माए, अनेरे ई सोग अरैज-अरैज बोझ बना माथपर रखने छैथ।

रागिणी- हमहीं किए रखब, सभ बाप-माए, दादा-दादी अपन अगिला परिवारक बोझ माथपर रखैए। दस बर्खक पोता अछि, जेकरा आइ देखलौं हेन। यएह मनोरथ भगवान देलैन।

अनुराधा- अपने नै जाइ छैथ आकि हम सभ मनाही करै छिऐन?

रागिणी- मनाही दू रंगक होइ छै, एकटा होइ छै जे मुँह फोड़ि कहब आ देसर होइ छै उनटा बात-विचार। पहुँनाइओ लाथे जे जाएब से ने काहे-कूहे बाजए अबैए आ ने एक्कोटा चिन्हार लोक भेटत।

अनुराधा- हम सभ जे छिऐन?

रागिणी- कहलौं तँ बेस बात मुदा बेटा-पुतोहु आकि परिवारक आने, सभकेँ एक सीमा छै। सीमा भीतर गपे केते रहै छै। मुदा चौबीस घंटाक दिन-राति छोट तँ नै होइए।

अनुराधा- फेर लोकक आएब-जाएब रहै छै आकि नै?

रागिणी- की उत्तर देबह।

रविन्द्र- किए, किए माए चुप भेलँह?

रागिणी- चुप की हएब। तूँ सभ चुप केने छह। जइ घरमे जनम लेलह, खेललह-धुपलह, पढ़ि-लिख नोकरी पौलह, ओही घरकेँ बिसैर गेलह।

रविन्द्र- की करबै तेते काज बढ़ि गेल अछि जे नीनो हराम भऽ जाइए।

रागिणी- हम से कहाँ किछु कहै छिअ। मुदा कान खोलि दुनू बेकती सुनि लाए जे जहिना अपने (पति) अपन लगौल गाछीमे बास करै छैथ तहिना हमहूँ बास करब। जहिना तूँ अपन मोनक मालिक छह तहिना हमहूँ छी।

रविन्द्र- आशा लगा आएल छेलौं।

रागिणी- तोहर आशा भग्न कहाँ होइ छह। अखने आँखि मुनब, सभटा तँ तोरे हेतह। हमरो तँ जिनगी अछि। जिनगी लेल तँ सभ कथुक बेगरता सभकेँ रहै छै।

रविन्द्र- आब केते दिन...?

रागिणी- जिनगीक कोनो ठेकान अछि, अखनो टन कहि देब आ पच्चिसो पचास बरख जीब सकै छी। तइले...?

(पीपरावाली माथपर छिट्टा लेने प्रवेश...)

पीपरावाली- दादी, भगवान हिनका भल करनु बड़बढ़ियाँ कमाइ भेल। दुनू भाए-बहिनकेँ आंगी-पेंट कीनि देलिऐ।

रागिणी- भगवान भल करथुन। मुदा उसरलमे एहल। आब कहाँ कोनो बरतन-बासन रहल। जेतबेक बेगरता होइए तेतबे अछि।

रविन्द्र- घरक सभ बरतन बेचि लेलेँ माए?

रागिणी- मोनसँ नै हटै छेलए, मुदा दोसर उपाइए की?

रविन्द्र- आब केना चलतौ?

रागिणी- अखैन तक तँ बरतने-वासन सठल। अखैन गहना-जेबर तँ ऐछे। जेकरा बेसी छै ओकरा लेल गहना श्रृंगारक वौस छिऐ आ जेकरा नै छै तेकरा लेल पेटेक आगि मिझबैक सम्पैत।

रविन्द्र- कोन वस्तु छेलै कनियाँ, जे बढ़ियाँ कमाइ भेल?

पीपरावाली- काका, हिनकासँ लाथ कोन। जहिना दादी तहिना ने ईहो छैथ। तामक तमघैल छेलै।

अनुराधा- आब तँ तामक दाम बहुत बढ़ि गेल अछि।

रविन्द्र- कोन चीज सस्त रहल।

रागिणी- बौआ, से बात नै छै, महग वौस सस्ता भऽ गेल आ सस्ता वस्तु महग।

अनुराधा- से की?

रागिणी- की कहबह। जखैन मनुखे अपन मोल नै बुझैए तखैन चरचे की? ❑

((समाप्त))

जगदीश प्रसाद मण्डलजीक रचना संसार

1. भैंटक लावा, 2. बिसाँढ़, 3. पीरारक फड़, 4. अनेरुआ बेटा, 5. दूटा पाइ, 6. बोनिहारिन मरनी, 7. हारि-जीत, 8. ठेलाबला, 9. जीविका, 10. रिक्साबला, 11. चुनवाली, 12. डीहक बटबारा, 13. भैयारी, 14. बहिन, 15. घरदेखिया, 16. पछताबा, 17. डाक्टर हेमन्त, 18. बाबी, 19. कामिनी, 20. मौलाइल गाछक फूल, 21. मिथिलाक बेटी, 22. जिनगीक जीत, 23. उत्थान-पतन, 24. जीवन-संघर्ष, 25. जीवन-मरण, 26. मन-मणि, 27. चल रे जीवन, 28. धोब घाट, 29. सासु-पुतोहु वार्ता, 30. बौड़ाएल बटोही, 31. अपनेपर हँसै छी, 32. धोबि पाट, 33. साँझ, 34. सात्त्विक भाव, 35. दिव्य शक्ति, 36. उड़ियाएल चिड़ै, 37. रणभूमि, 38. सान-धार-धारा, 39. पपीहाक गीत, 40. विषधरक बीख, 41. मिथिला केहेन, 42. मौसमक मुस्की, 43. आशा, 44. आँखि, 45. मधुरस, 46. बीआ, 47. महजाल, 48. बाट, 49. डभियाएल डगर, 50. लज्जैत, 51. गीत, 52. गंग स्नान, 53. फनकी, 54. सभ किछु छै जालेमे, 55. गंगा नहाइ, 56. गोधन पूजा, 57. माटिक फूल, 58. झगड़ा, 59. नजैर, 60. कमलाधार, 61. बाल कविता, 62. विभूत, 63. झूठ-साँच, 64. नव दुनियाँ, 65. पुरुषार्थ, 66. सरस्वती वन्दना, 67. भीड़-भार, 68. सरस्वती हमर, 69. अगहन, 70. केना मेटत गरीबी, 71. संघर्ष, 72. साँझ-भोर, 73. समय, 74. जिनगीक मोड़, 75. अकलबेड़ा, 76. धूप-छाँह, 77. माए, 78. साथी, 79. घरक लोटिया बुड़ले अछि, 80. जुग बदलल जमाना

बदलल, 81. फँसरी, 82. गरीबी, 83. दबाइए रोग, 84. मुँहक झालि, 85. किछु सीखू किछु करू, 86. पत्नी, 87. चेतन चाचा, 88. पौरुष, 89. घोड़ मन- 1, 90. घोड़ मन- 2, 91. घोड़ मन-3, 92. घोड़ मन-4, 93. अलकक चान, 94. शिशवोनी, 95. फगुआ, 96. शील, 97. प्रिय, 98. अपनेपर, 99. डायरी, 100. गाछक रंग बदैल रहल छै, 101. मुँहक हँसी केहेन, 102. झोंक जुआनी झोंकए, 103. बैसले-बैसल नाचि, 104. गुमकीमे वौआए, 105. भूत बनि भुतियाएल, 106. सुखले मे सभ पिछैड़ रहल छै, 107. दीनक दिन केना, 108. कोढ़ पकैड़, 109. जाल समाज, 110. मीत यौ, देहक पानि, 111. आश प्रेम संग, 112. विषय दस, 113. धर्मक फूल, 114. किछु ने करै छी, 115. अपने पाछू, 116. उठी-बैसी, 117. गर-मुड़, 118. मनक बेथा, 119. रहल नै, 120. पकैड़ समय, 121. सतरंग ऐ, 122. दुनियाँक जेहने, 123. चढ़ि अन्हार, 124. एक विष, 125. पेटक ताप, 126. जेहेन मुँह, 127. धार संग नाह, 128. मन मशीन, 129. खट-मीठ, 130. झोंकमे, 131. पबिते पैग, 132. हेल-मेल जाधैर, 133. कौशल जखैन कोसल बनै छै, 134. उमकीमे उमैक, 135. जिनगीक कुंज, 136. सत-चित, 137. स्रष्टाक समग्र रचना, 138. प्रतिभा, 139. मर्म, 140. अधखरूआ, 141. समैयक बेरबादी, 142. पहिने तप तखनि ढलिहेँ, 143. खलीफा उमरक सिनेह, 144. जखने जागी तखने परात, 145. अस्तित्वक समाप्ति, 146. खजाना, 147. उग्रघारा, 148. बेवहारिक, 149. समर्पण, 150. उत्थान-पतन, 151. देवता, 152. पाप आ पुण्य, 153. परख, 154. आलसी, 155. प्रेम, 156. हैरियट स्टो, 157. बुझैक ढंग, 158. श्रमिकक इज्जत, 159. वंश, 160. तियाग, 161. सद्विचार, 162. साहस, 163. बरदास, 164. भूल, 165. धैर्य, 166. मनुखक मूल्य, 167. मदति नै चाही, 168. मेहनतिक दरद,

169. मैक्सिम गोर्की, 170. मूलधन, 171. कपटी मित, 172. भीख, 173. भगवान, 174. एकाग्रचित, 175. सीखैक जिज्ञासा, 176. अनुभव, 177. आसिरवादक विरोध, 178. धर्मक असल रूप, 179. सौन्दर्य, 180. स्तब्ध, 181. एकता, 182. विधवा बिआह, 183. देश सेवाक व्रत, 184. आत्मबल-1, 185. स्वाभिमान, 186. कलंक, 187. बुलकी, 188. भद्रपुरुष, 189. झूठ नै बाजब, 190. आर्दश माए, 191. नारी सम्मान, 192. अनुशासन, 193. सादा जिनगी, 194. विचारक उदय, 195. पुष्ट इकाइसँ समर्थराष्ट बनैत, 196. डर नै करी, 197. आसिरवाद उलैट गेल, 198. रत्न गमेवाक दुख, 199. निशाँ, 200. सामना, 201. शिष्टाचार, 202. ठक, 203. पत्नीक अधिकार, 204. शिनीची सिनेह, 205. सिखबैक उपय, 206. कर्तव्यपरायन सुगा, 207. तस्वीर, 208. मितक प्रयोजन, 209. स्वार्थपूर्ण विचार, 210. संगीक महत, 211. उपहास, 212. महादान, 213. भाग्यवाद, 214. सद्वृति, 215. आश्रम नहि सोभाव बदली, 216. पुरुषार्थ, 217. नैष्ठिक सुधन्वा, 218. सद्गृहस्त, 219. सद्भाव, 220. आलस्य वनाम पिशाच, 221. स्वर्ग आ नर्क, 222. यथार्थक बोध, 223. विद्वताक मद, 224. अनन्त, 225. हँसैत लहास, 226. अनगढ़ चेतना, 227. सत्य विद्या, 228. समता, 229. जेते चोट तेते सक्कत, 230. परिष्कार, 231. कथनी नै करनी, 232. शालीनता, 233. मजूरी, 234. जीवन यात्रा, 235. ज्योति, 236. पवनक विवेक, 237. आत्मबल-2, 238. खुदीराम बोस, 239. शिष्यकेँ शिक्षेटा नै परीक्षो, 240. लौह पुरुष, 241. जंग लगल, 242. जीवकक परीछा, 243. तप, 244. उल्टा अर्थ, 245. जाति नहि पानि, 246. ऊँच-नीच, 247. पागलखाना, 248. केकरो फूल, 249. काज पसैर, 250. धार बीच, 251. फेरो हम, 252. रंगिते काजक, 253. चोरकट चालि, 254. डुमा-डुमी,

255. छाती चढ़ि, 256. ससुरामे जा कऽ धीया, 257. जिनगीक ताक, 258. गोर मुँह, 259. कतरा आम, 260. सुखल पोखरिक, 261. श्रोता कहि, 262. जड़ि जंजालक, 263. उगिते लाज, 264. ओन्हा चालि, 265. गिरैत घर, 266. अना गाहिंस, 267. सुखल पोखरिक, 268. लत्ती जेना, 269. पाटि, 270. गोहि बनि, 271. जेहेन जे, 272. चेत चेता, 273. अन्हर जाल, 274. डायरीक, 275. बरहबट्टू, 276. चोटी छुबए, 277. खेल-खेलाड़ी, 278. ककोड़बा, 279. सोर बनि, 280. सेज-सिंगार, 281. जएह लूरि, 282. जोति हर, 283. हर हलक, 284. कम्प्रोमाइज, 285. नै धाड़ैए, 286. झमेलिया बिआह, 287. बड़की बहिन, 288. रत्नाकर डकैत, 289. भादवक आठ अन्हार, 290. सधबा-विधबा, 291. स्वयंवर, 292. सतमाए, 293. कल्याणी, 294. समझौता, 295. तामक तमघैल, 296. बिरांगना, 297. दोहरी मारि, 298. केना जीब?, 299. नवान, 300. तिलासंक्रान्तिक लाइ, 301. भाइक सिनेह, 302. प्रेमी, 303. बपौती सम्पैत, 304. डंका, 305. संगी, 306. ठकहरबा, 307. अतहतह, 308. अर्द्धांगिनी, 309. ऑपरेशन, 310. धर्मनाथ, 311. सरोजनी, 312. सुभद्रा, 313. सोनमाकाका, 314. दोती बिआह, 315. पड़ाइन, 316. केतौ नै, 317. बिहरन, 318. मायराम, 319. गोहिक शिकार, 320. मातृभूमि, 321. भबडाह, 322. परिवारक प्रतिष्ठा, 323. फॉगु, 324. लफ साग, 325. तिलकोरक तरुआ, 326. एकोटा ने, 327. धोतीक मान, 328. साझी, 329. सतभैंया पोखैर, 330. न्याय चाही, 331. पनियाहा दूध, 332. कर्ज, 333. परदेशी बेटी, 334. मान, 335. मनोरथ, 336. कियो ने, 337. सूदि भरना, 338. जन्मतिथि, 339. इमानदार घूसखोर, 340. पटियाबला, 341. सनेस, 342. उलबा चाउर, 343. बलजोर, 344. बेटी हम अपराधी छी, 345.

बगबाइर, 346. मुइलो बिसेबैन, 347. सड़ल दारीम, 348. चुप्पा पाल, 349. परदेश जेतै, 350. ओज ओझरी, 351. पानि बीच, 352. बंसी धार, 353. जिनगी जखन, 354. राति-दिन, 355. तेहरौनी, 356. गेल उमरिया, 357. कर-करनाम, 358. मनुख कहाँ, 359. चान कौसिकीय, 360. घट-घट, 361. ओल ओड़ि, 362. निरजन वन, 363. हरबाह, 364. हर हलक, 365. सालक विदाइ, 366. मोनि मन, 367. सेड़ाइते, 368. आँखि मिचौनी, 369. अलकक चान, 370. समाज सजल, 371. सभ मिलि, 372. सोच सकार, 373. अबिते अगहन, 374. उपजल खेत, 375. धूल चरण, 376. उनटन, 377. जान विचार, 378. चालैन-सूप, 379. मरम देखि, 380. वेद-भेद, 381. भक-इजोतमे, 382. जेठुआ गरे, 383. निर्जन वन, 384. छगुन्तामे, 385. पड़ल छी, 386. सुआगत की लए, 387. सुआगत अपनेक, 388. वृद्ध केना, 389. समय केर, 390. भगवती गीत, 391. हाल-बेहाल, 392. शीला शील, 393. रंग सियाही, 394. दिन घटतै, 395. उठिते आगि, 396. छप्पर किए, 397. गामसँ किए, 398. बेढब रूप, 399. संग जिनगी, 400. सबहक जिनगी, 401. सुन मैया गे, 402. पकैड़ तान, 403. भोरे कनी जगा देब, 404. पकैड़ पग, 405. संच-मंच रहए कहाँ दइए, 406. ओस बनि, 407. बाढ़िमे सभ, 408. हेराएल-ढेराएल, 409. मीत यौ अहींकेँ कहै छी, 410. अजीब-अजीब, 411. अपने ताले, 412. पग-पग, 413. मीत यौ, 414. निरमोही बौआ, 415. अपना गतिये, 416. भजार यौ, 417. हे बहिनी, 418. हे बहिना, हे दीदी, 419. सुक्खक अतृप्त, 420. नढ़ड़ा हेल हेलै छी, 421. अहीं कहू, 422. चलू उचितपुर देश, 423. कानि कलैप, 424. बुधिये बाट, 425. जुग-जुग, 426. घात लगौने, 427. देहमे नमहर, 428. अपन बल, 429. जीवन धार, 430. लाजे

मेटा गेल, 431. खढ़ पोस पानि, 432. परता माटि, 433. शिकारी, 434. जीवन, 435. जिनगीक बीच जिनगी, 436. दिन रातिक खेल, 437. सतबेध, 438. किछु ने बुझै छी, 439. गुरुत्तर, 440. जिनगीक मोड़, 441. मरहन बाट, 442. कविता, 443. घाट-बाट, 444. चलैत पंखाक, 445. सुमति-कुमति, 446. हँसि हंस, 447. खचरमणि, 448. किसानक देश, 449. भारत, 450. जिनगीक संगीत, 451. सुगति, 452. संगीत, 453. ब्रह बाट, 454. रस्तेमे लसका गेलिऐ, 455. एक दस मंत्र छै, 456. वंचित धार, 457. पाइक मोल, 458. हे दुनियाँक केर भाग-विधाता, 459. कलेससँ कलैशते भैया, 460. चुनौती, 461. मानव गुण, 462. छुटि गेल, 463. मरल घाट, 464. हल्लुक काज, 465. बीघा भरि चास-बास, 466. पट्टा छीमी, 467. बदरीहन, 468. बालि वध, 469. अनेरुआ वन, 470. फँसरी, 471. विचलित मन, 472. गुड़ घाव, 473. एकटा बताह, 474. हुसि गेल, 475. अखड़ा जिनगी, 476. बिटगरहा, 477. बाल गीत, 478. गाछी भुताहि, 479. अंडीक छाहैर, 480. परदेशी, 481. अन्हराएल छी, 482. ओ दिन, 483. सती-वेश्या, 484. दूजा भाव, 485. जीबैले लड़ए पड़ै छै, 486. पगलखना, 487. बाढ़िक सनेस, 488. अगो-लोढ़ा, 489. हथियाक झटकी, 490. रहसा चौरी, 491. बेरोजगारी, 492. लीढ़ी पोखैर, 493. बकरी भेराड़ी, 494. महगी, 495. जरनबिछनी, 496. नव-फल, 497. पू-भर, 498. चौरीक, 599. धनकटनी, 500. किसान, 501. टुटैत जिनगी, 502. कविता, 503. बुड़िबकी, 504. गाछी भुताह, 505. वोनक आगि, 506. बीतल बर्खक विदाइ, 507. संगी, 508. बेथा, 509. धब्बा, 510. पितृपक्षक भोज, 511. ठनका, 512. झपासा, 513. शिवचरन, 514. चौरचनक छाँछी, 515. भरदुतिया, 516. फुसि, 517. चिक्कैन माटि, 518. झारू-

बाढ़ैन, 519. मेवाक फल, 520. चपरासी भाय, 521. नोत, 522. लटुआ, 523. एकैसम, 524. सदीक देश, 525. मधुमाछी, 526. जुआनी, 527. तरंग, 528. ऐ पढ़बसँ मुरखे रहितौं, 529. मइटुग्गर, 530. शम्भुदास, 531. फाँसी, 532. कचोट, 533. काँच सूत, 534. बुधनी दादी, 535. खिलतोड़, 536. मुँह-कान, 537. अनदिना, 538. अपन काज, 539. दूरी, 540. पुरनी भौजी, 541. छुटि गेल, 542. काल्हि दिन, 543. अप्पन हारि, 544. कनफुसकी, 545. मुँहक बात मुहेँमे, 546. कनीटा बात, 547. गति-गुद्दा, 548. बिसवास, 549. कचहरिया भाय, 550. गोहाइर, 551. शिवजीक डाक-बाक्, 552. सोग, 553. पनचैती, 554. कनमन, 555. अजाति, 556. पटोर, 557. फुसियाह, 558. गति-मुक्ति, 559. चौकीदारी, 560. झगड़ाउ-झोटैला, 561. घबाह ट्यूशन, 562. दादी-माँ, 563. पटोटन, 564. मुसाइ पण्डित, 565. भरमे-सरम, 566. देखल दिन, 567. फज्झैत, 568. अकास दीप, 569. बुधि-बधिया, 570. पहाड़क बेथा, 571. उमकी, 572. बजन्ता-बुझन्ता, 573. चर्मरोग, 574. शंका, 575. ओसार, 576. छोटका काका, 577. सीमा-सरहद, 578. रमैत जोगी बोहैत पानि, 579. गंजन, 580. सजए, 581. घटक बाबा, 582. आने जकाँ, 583. दान-दछिना, 584. उड़हैड़, 585. मत्हानि, 586. मेकचो, 587. झुटका विदाइ, 588. मुँहक खतियान, 589. कोसलिया, 590. हूसि गेल, 591. पोखला कटहर, 592. सरही सौबजा, 593. तेरहो करम, 594. डुमैत जिनगी, 595. चोर-सिपाही, 596. दूधबला, 597. टाइपिस्ट, 598. समदाही, 599. बुढ़िया दादी, 600. एक धाप जमीन, 601. ओझरी, 602. मुसहैन, 603. केलवारी, 604. स्वरोजगार, 605. घूर, 606. कनियाँ-पुतरा, 607. वारंट, 608. गामक मुँह फेर देखब, 619. पेटगनाह, 610. जनक हाथे

खेती, 611. मूसक घटक, 612. ग्लानि, 613. गरियबैक समय, 614. दोस्ती नै धाड़ैए, 615. कलंक, 616. भभटपन, 617. खाँटी तेल, 618. दोस्ती, 619. ओटघन पाबैन, 620. बौआ कक्काक ढौआ, 621. अठन्नी, 622. गुण, 623. गढ़ैनगर हाथ, 624. सासुरक गारि, 625. खिचड़ी मोछ, 626. पाइक मोल, 627. चोरूक्का झगड़ा, 628. अपसोच, 629. पतझाड़, 630. झीसीक मजा, 631. मति-गति, 632. रिजल्ट, 633. अपन सन मुँह, 634. सुमति, 635. फेर पुछबैन, 636. माघक घूर, 637. खर्च, 638. अखरा-दोखरा, 639. पेटगनाह, 640. बड़की माता, 641. धरती-अकास, 642. बकठाँइ, 643. चैन-बेचैन, 644. हथियाएल खुरपी, 645. अलपुरिया बरी, 646. नीक बोल, 647. सुआद, 648. गंगा नहेलौं, 649. भोँटक गहमी, 650. भँसैत नाह, 651. पान पराग, 652. सिरमा, 653. नौमीक हकार, 654. फोंक मकड़, 655. केते लग केते दूर, 656. अभिनव अनुभव, 657. खोंटकर्मा, 658. किछु ने, 659. झकास, 660. अप्पन-बीरान, 661. सजमनियाँ आम, 662. अर्जुन रोग, 663. गरदैन कट्टा बेटा, 664. नैहराक धाड़, 665. अवाक, 666. पोखैरक सैरात, 667. दनियाँ डाबा, 668. धरम काँट, 669. पल भरि, 670. किरदानी, 671. सगहा, 672. अकाल, 673. उझट बात, 674. कर्जखौक, 675. उनटन, 676. रेहना चाची, 677. बुधनी दादी, 678. अउतरित प्रश्न, 679. हारि, 680. सोनाक सुइत, 681. मरुभूमि, 682. असगरे, 683. पुरनी नानी, 684. कटा-कटी, 685. केते लग केते दूर, 686. गलती अपने भेल, 687. चोरक चोरबती, 688. घर तोड़ि देलिऐ, 689. सजल स्मृति, 690. सनेस, 691. सए कच्छे, 692. एक मुठी घास, 693. करिछौंह मुँह, 694. पुरस्कार, 695. गावीस मोइस, 696. मनकमना, 697. घरवास, 698. समधीन, 699. चापाकलक

पाइप, 700. कलम हानि कऽ, 701. लतियाएल जिनगी, 702. गामक शकल-सूरत, 703. जितिया पाबैन, 704. सुखाएल सूरत, 705. भैयारी हक, 706. ठकुआएल भुसवा, 707. खुदियाएल, 708. खटहा आम, 709. ढकरपेँच, 710. असहाज, 711. समरथाइक भूत, 712. विदाइ, 713. खलओदार, 714. मनुखदेवा, 715. उमेद, 716. गलगर भैंस, 717. जाड़ फाटि गेल, 718. सुरता, 719. असुध मन, 720. धरमूदासक अखड़ाहा, 721. ठोररंगू, 722. लगबे ने कएल, 723. उकडू समय, 724. चास-बास दुनू गेल, 725. चौरचनक दही, 726. अपन मन अपन धन, 727. टुटली मरैया, 728. हकार, 729. दहेजुआ गाए, 730. मेटाइत जिनगी, 731. धुर बुड़ि तोरा बजै ने अबै छौ!, 732. लेहाज, 733. विचार हेरा गेल, 734. ओ दिन, 735. उरीन, 736. नहरकन्हा, 737. बटखौक, 738. पसेनाक धरम, 739. जेठुआ गरदा, 740. हँसीएमे उड़ि गेलौं, 741. बुड़िबकहा बुड़िबक बनौलक, 742. हमर बाइनिक विचार, 743. नोकरिहारा, 744. घसवाहि, 745. तेतर भाइक कविता, 746. छूआ, 747. दोसराइत, 748. लछनमान, 749. हमर कोन दोख, 750. मौसी, 751. नटकिया गति, 752. खाए चाहैए, 753. मधुमाछी, 754. दनगर घास, 755. सझिया खेती, 756. मुफतिया माल, 757. मथाहाथ, 758. पहपैट, 759. इजोरिया राति, 760. तीन जुगिया भाय, 761. अँगनेमे हेरा गेलौं, 762. डकरा हाल, 763. जेतए जे हौउ, 764. गठूलाक गारि, 765. कनी हमरो सुनू, 766. गामक बान्ह, 767. गुड़ा खुद्दीक रोटी, 768. सीरक गाछ, 769. हरदीक हरदा, 770. जाम, 771. गण्डा, 772. हाथी आ मूस, 773. मुसरी आ घोड़ा, 774. फलहार, 775. भोरक झगड़ा, 776. क्रियाशील, 777. आइ एम शॉरी, 778. ओऽ होऽ होऽ हूसि गेल, 779. मीनी भ्रष्टाचार, 780. गजपट खेती, 781. समुद्री

विद्या, 782. राकशे रहि गेलौं, 783. निनिया देवीक आराधना, 784. बताहे बताह बनौलक, 785. धोखा, 786. खसैत गाछ, 787. ठूठ गाछ, 788. वैष्णवी भगवती, 789. प्रीगर शत्रु, 790. एगच्छा आमक गाछ, 791. माघ नहाइले जाएब, 792. एक घोंट पानि, 793. एते दिन अपना-ले आब अनका-ले, 794. माइक वचन, 795. पान, 796. आजुक जिनगीक आइ परीक्षा, 797. शुभचिन्तक, 798. करिछौन लाली, 789. मोहरा, 800. अपन पुरखाक डीह, 801. जेना हाथी रही, 802. कठफल, 803. गामे उपैट गेल, 804. झूठे, 805. लाही, 806. परतीहा खढ़, 807. उजगी, 808. हाथक जिनगी, 809. गाछपर सँ खसला, 810. केतौ ने रहलौं, 811. अपने केलहा, 812. बत्तु, 813. कछमछी, 814. गैत-वीध, 815. दियरबा-भैंसुर, 816. एक दिन, 817. दुधियाएल बरखा, 818. गलफूलू, 819. बिटगरहा, 820. आब नइ आगि लगैए, 821. कटौज, 822. बाल बोध, 823. डभियाएल गाम, 824. एकबोलिया दादी, 825. मरियाएल मन, 826. त्राहि-कृष्ण, 827. कन्हा भँट्टा, 828. जिगेसा, 829. गुलेती दास, 830. भोलानाथ बाबा, 831. दुरकाल, 832. कलंक, 833. अड़िकट्टा चोर, 834. बगदल गाम, 835. बत्तीसोअना, 836. कचहरिया रोग, 837. दिन घटि गेल, 838. मुड़ियाएल घर, 839. गामक सुरता, 840. खतियाएल घर, 841. बात-कथा सुनौलक, 842. अनका बेर ओंघी, 843. देव उठान, 844. नमहर घरक चोरि, 845. भोरक सपना, 846. बालमण्डली, 847. धोखा केतए भेल, 848. माघक चाह, 849. भँसियाएल बाल-बोध, 850. माघक घूर, 851. पाही पट्टी, 852. बीरांगना, 853. स्मृति शेष, 854. मनकेँ फुसलबै छी, 855. चहकल विचार, 856. विदाइ-दैछना, 857. बीरांगना, 858. पकिया चेला, 859. कान फुटल कप, 860. वर्थ डे, 861. जानक मोल, 862.

गामक कटान, 863. कर्ज, 864. बेटीक लिलसा, 865. अपन गारि अपन दुआरि, 866. बेटीक पैरुख, 867. बेटीक कुभेला, 868. अपन रोपल गाछी भुताहि, 869. बलधकेल कटौज, 870. जारैनक दुख मेटा गेल, 871. पढ़ल सुगा बौक, 872. हरवाहि, 873. क्रान्तियोग, 874. उचितवक्ता, 875. खेतक बँटवारा, 876. विघटन, 877. टुटल मनक जुटान, 878. बाबा बेलेश्वरनाथ, 879. भुतलग्गू आकि भविसलग्गू, 880. मर्माहत, 881. गुणहीन, 882. समझौता, 883. जेकर चुन तेकर पुन, 884. त्रिकालदर्शी, 885. नमहर फेरा, 886. आशापर पानि पड़ल, 887. कोढ़िया सरधुआ, 888. बेटपन, 889. छातीक हार, 890. उमेरक लेहाज, 891. पैंतीस साल पछुआ गेलौं, 892. इज्जत गमा इज्जत बँचेलौं, 893. पुरान साड़ी, 894. गाम बिसैर गेल, 895. ऐँठ साड़ी, 896. लहसन, 897. किछु ने फुरैए, 898. महिरम, 899. बेर परहक भदवा, 900. सड़क-कातक खेत, 901. दोहरी हाक, 902. पाइक इज्जत, 903. सेहन्ता, 904. राक्षसक झड़, 905. बेरपर, 906. केकरा-ले केलौं, 907. स्वाभिमानी जिनगी, 908. बाबाक बाग-बगिया, 909. अब-तब, 910. अगिलह, 911. कुकुरपन, 912. हेराएल जिनगी, 913. आशापर पानि फेर गेल, 914. देखल दिन, 915. इज्जत उतैर गेल, 916. संकट, 917. एकतीस मार्च, 918. गेल माघ उनतीस दिन बाँकी, 919. बापक चलैत, 920. बेटाक चलैत, 921. प्रवल इच्छा, 922. पंगु, 923. ठका गेलौं, 924. हारि-जीत, 925. पनचैती पनपना गेल, 926. कुघाटक मृत्यु, 927. एक तम्मा सिदहा, 928. कियो ने पुछैए, 929. केकरो कियो ने, 930. गपक पियाहुल लोक, 931. उदय-प्रलय, 932. हमरा नीक नहि लगैए, 933. भारीपन भार बनि गेल, 934. मानसरोवरक यात्रा, 935. करतब, 936. आमक गाछी, 937. अनचोकक अन्हार, 938. अपन

बुधियारी अपने खेलक, 939. चटवाह, 940. भगैतिया, 941. अधमरू साँपक फुफकार, 942. यादास्त, 943. हमर मेला चोरि भऽ गेल, 944. गरदैन हलैल गेल, 945. दिवालीक दीप, 946. हारि केना मानब, 947. अप्पन गाम, 948. परिछन, 949. झूठ सपना, 950. जिनगीक अन्तिम फल, 951. चरणबाबूक टैक्सी, 952. पुस्तकालय, 953. विचारभेद, 954. एकरवा बानर, 955. फकीरबा स्थान, 956. रंगमे भंग, 957. खिलतोड़ भूमि, 958. बैगनक बगान बनरा गेल, तूँ मुँह तकै छह, 959. मटरक अजोह दाना, 960. फुइसिक रग्गड़, 961. उखमज, 962. एकभग्गू बेटा, 963. अगुताइ भेल, 964. थैंक्यू पापा, 965. किसुनपुराक हाट, 966. धनखेतीक बैगन, 967. चितवनक शिकार, 968. बुढ़ भेलौं तँ दुइर गेलौं, 969. धुआ साड़ी, 970. राजरोग, 971. संकल्प, 972. एकटा नमहर दुख मेटा गेल, 973. काजक मोल, 974. एतए बसव कठिन अछि, 975. स्वनिर्मित जिनगी, 976. कपटलालक मृत्यु, 977. गामक ढहल समाज, 978. लजगर लोक, 979. खरिहाँन उपैट गेल, 980. पगलपन, 981. छलाननक सराध, 982. छाती बज्जर केलौं, 983. नाँहकमे दोख, 984. सग्गा पिऔज, 985. गाछसँ नमहर फड़, 986. जिनगीमे जान आएल, 987. जे संग नइ औत ओकरा संग नइ जेबै, 988. चौरस खेतक चौरस उपज, 989. सिकिया नेता, मजदूर दिवस, 990. मुँह खुजिते नाक कटि गेल, 991. जेकरे भर तेकरे डर, 992. ललियाएल चेहरा करियाएल मन, 993. पुरुखक भर, 994. भकमोड़मे पड़ि गेलौं, 995. अपन इमान मरि गेल, 996. गामक रूप बदैल देब, 997. कुभेला, 998. देखौंस, 999. समयसँ पहिने चेत किसान, 1000. काजक मेहपन, 1001. पनरह किलोक कदीमा, 1002. फेर नढ़रो बेल तर जेती, 1003. काजक धुनि, 1004. सोरहामे सुर्रा लगि गेल, 1005.

अगराही, 1006. जेकरे-ले चोरि केलौं सएह कहैए चोरा, 1007. भौक, 1008. मनतरक पावर, 1009. हाल-चाल, 1010. अधमरु साँपक डँस, 1011. के मानत?, 1012. दियादीक फेड़, 1013. वाह रे आदत, 1014. कटबी सुइद, 1015. तिलकौआ छत्ता, 1016. अपने जिनगी भार बनि गेल, 1017. कलेश, 1018. गामक आशा टुटि गेल, 1019. आब इज्जत नइ बँचत, 1020. अँगनाक बीरार, 1021. भेँट-घाँट, 1022. कोसा, 1023. दहेजक गाए, 1024. चलती, 1025. तीन बुड़िवान, 1026. एकाधिकारी जाति, 1027. अपन करखन्ना, 1028. लड़कपन, 1029. कुदृष्टि, 1030. हकार, 1031. दलखिच्चड़मे घी, 1032. दोहरी दहार, 1033. पसेनाक मोल, 1034. बुढ़ापा, 1035. पुरना घराड़ी, 1036. जगरनथिया भोज, 1037. कृषियोग, 1038. काजक रोप, 1039. खटसमाद, 1040. जीबठपन, 1041. गोटी लाल, 1042. अपनाकेँ चिन्हैत चलिहह, 1043. दहेज, 1044. जेहेन मति तेहेन गति, 1045. केते लग केते दूर, 1046. अपन कर्तव्य आकि उपकार, 1047. जिनगी भौर भेलह हेन, 1048. वसन्त पंचमी, 1049. चुटका सुतरल, 1050. हारल चेहरा जीतल रूप, 1051. अग्नि परीछा, 1052. आसीरवचन, 1053. दहिबरी, 1054. सघन बन, 1055. हुसैत लोक, 1056. हुसि गेलौं, 1057. झूठक झालि, 1058. दुष्टपन, 1059. रहै जोकर परिवार, 1060. परिपक्क निरलज, 1061. अप्पन काज अपने चिन्हू, 1062. लजाउ काज, 1063. कामधेनु, 1064. जिनगीक कुंज, 1065. सत-चित, 1066. पड़िते पएर पवन पोखैर, 1067. अहाँ किए रूसल छी, 1068. घट-घट घोंट, 1069. जहिना बारह दिन बजै छै, 1070. दुनियाँ घोड़ाएल छै निशाँमे, 1071. बहैल बहील बहिला कहै छै, 1072. हलचल जिनगी हलैस-कलैश, 1073. टकटक ताक, 1074. भीख मांगि (नचारी) , 1075. बकरी खुट्टी, 1076. अमरा

अँचार, 1077. घरे-घरे, 1078. बेटी किए, 1079. मनक भाव, 1080. सिरजन सिर, 1081. कलश पल्लव भरैत रहै छै, 1082. मारी-बेमारी, 1083. हिम-गिरि, 1084. भुवन भुचल, 1085. खुजिते आँखि, 1086. मुड़जन मनुहर, 1087. गोधुलि-बेल, 1088. दौड़ि-दौड़, 1089. चोट-चाट, 1090. चाइन चेन, 1091. दीनक दोख, 1092. सगर समनदर, 1093. चप-चप चपा गेलिऐ, 1094. संगे-संग, 1095. आभा मण्डल, 1096. संग जिनगी खेल होइत एलैए, 1097. नजैर कहाँ बदलल, 1098. देख टराटक पड़ल रहै छी, 1099. माइक माइपन, 1100. इच्छा- 01, 1101. इच्छा- 02, 1102. मन मथनी, 1103. केकरा कहब नवदिन सगुन?, 1104. अप्पन दिन कहिया औतै, 1105. बलकस चास, 1106. अपनेपर हँसै छी, 1107. केकरा कहब नव दिन सगुन, 1108. बन्ध-बन्धन, 1109. नँगरकट घोड़ा, 1110. गीत, 1111. फुलबतिया, 1112. करैलाक फूल, 1113. गिरहकट्टा, 1114. पैछला गणित, 1115. कॉमन सेन्स, 1116. चास-बास, 1117. ढहल गाम, 1118. सघन वन, 1119. मानब धारण धड़ैत एलैए, 1120. नजैर-नजैरमे तफरका भैया, 1121. अपने मन ठकैए, 1122. केकरो गारि सुगारि, 1123. साँझ-भोर, 1124. समाजक बान्ह छेक, 1125. दियादी, 1126. ओइ पोखरिक मानियेँ की?, 1127. नवका बास, 1128. जिनगीमे जे, 1129. हे बहिना केनाकऽ जेबै ओइ, 1130. घरिया, 1131. हे आशुतोष, 1132. मनक फूल, 1133. फूल मनक, 1134. बेकाल-काल, 1135. जेहेन जेकर, 1136. समय-साल, 1137. संग मान-समान, 1138. जेहने शक्तिक रंग रहै छै, 1139. खेल खेलौना, 1140. प्रेमी पिया, 1141. बिसैर गेल, 1142. आबो कनी विचारू, 1143. सुआगत अपनेक, 1144. वृद्ध केना, 1145. समय केर, 1146. भगवती गीत, 1147. आनक बोझ, 1148. अड़कन-मरकन, 1149.

हाल-बेहाल, 1150. आजादीक उमंग, 1151. बुधिये भोतिया गेल, 1152. घर-घरा, 1153. जा बौआ, 1154. लत-लत लत्ती, 1155. पीड़ित रीति, 1156. अकार-सकार, 1157. टेनशन बीच पड़ल छी, 1158. आन्ही-अन्हर, 1159. सुफल काज, 1160. सुचिता, 1161. सीमावद्ध जीवन, 1162. कर्ताक रंग कर्मक संग, 1163. जिनगीक हिसाब, 1164. अपना जनैत, 1165. सुदृढ़ जिनगी, 1166. मुराम जगह, 1167. गामक सूरत बदैल गेल, 1168. दोसर रस्ता नहि, 1169. विचारधाराक भथान, 1170. परिवार बिलैट गेल, 1171. अनचोकक इजोत, 1172. केलहा सभ पानिमे गेल, 1173. पएर तरक धरती डोलि गेल, 1174. जबुरिया कागज, 1175. बेटाक बिआह, 1176. जीवनमे जान आएल, 1177. पोसलाक फल, 1178. अन्तिम परीक्षा, 1179. गाम आब ओ गाम रहल!, 1180. जिनकर जीत तिनकर माला, 1181. नवका लोक, 1182. काजक उत्तर काज, 1183. घरक खर्च, 1184. समाजक भागे, 1185. बाबा हाथक कोदारि हल्लुक, 1186. परिवारक विघटन, 1187. हारल विचार, 1188. मोड़पर, 1189. संकल्प, 1190. अन्तिम क्षण, 1191. परिवारे गजपटा गेल, 1192. समयक थपेड़मे, 1193. की सत्त की फुइस?, 1194. कुभाँज समयक भाँजमे, 1195. देखल गाम, 1196. अपना ले, 1197. तीन धक्का, 1198. अजीब खेल, 1199. नीक ठकान ठकेलौं, 1200. केकरो भरोस, 1201. बाड़ी भेल धनहर, 1202. कुण्ठा, 1203. सुदृढ़ जीवन, 1204. सागवानक बागवानी, 1205. बिनु खुट्टाक गाए, 1206. जीवनक कर्म जीवनक मर्म, 1207. घरैया मूस, 1208. टुटि कऽ खसि पड़लैन, 1209. अवतारवाद, 1210. संस्कार आ संस्कार गीत, 1211. वर्चस्ववादी संस्कृति बनाम हाशियाक समाजक संघर्ष, 1212. अन्तर्राष्ट्रीय मैथिली सम्मेलन गुवाहाटी, 1213. सगर राति दीप जरयक कथागोष्ठीक मादे,

1214. वेब प्रोग्राम, 1215. महाकवि लालदास, 1216. भाय राजनन्दन लाल दासजीक जीवन यात्रा, 1217. मैथिली भाषाक दशा ओ दिशा, 1218. उपन्यासमे ग्रामीण चित्रण, 1219. मनक बात हेरा गेल, 1220. नचैत मोन पड़ाइत गेल, 1221. मौसम बदैल गेल, 1222. दोहरा-दोहरा पुछबे करतै, 1223. भाव-अभाव कुभाव बनैत गेल, 1224. संग छोड़ि पड़ाइत गेल, 1225. मृत्युसजियापर पड़ल विवेक बाबा, 1226. संचरण, 1227. जिनगीसँ प्रेम, 1228. परिवारे बगैद गेल, 1229. जिनगी पिछैड़ गेल, 1230. श्रमहीन, 1231. समुद्रलंघन, 1232. परिवारक भार, 1233. हीन-हीनाइत विवेक, 1234. चेहराक निखार, 1235. भरि मन काज, 1236. विचारे मरि गेल, 1237. मृत्युक भय मेटा गेल, 1238. घरक बात, 1239. अप्पन दलान, 1240. कंजूसपन, 1241. आएल आशा चलि गेल, 1242. अकारण, 1243. अछोप, 1244. अप्पन बेइमानी, 1245. उनटन, 1246. अर्द्धांगिनी, 1247. बहवाँइर, 1248. पाक मास्टर, 1249. साइंस टीचर, 1250. इज्जत लऽ लेलक, 1251. निसगर पान, 1252. विरोध, 1253. जीवन दान, 1254. बाग-बगिया, 1255. विश्वास पात्र, 1256. विचारक टिटकारी, 1257. लत, 1258. जीवन खटाइमे पड़ि गेल, 1259. कर्ज, 1260. बहादुरी, 1261. हमरो खगता छै, 1262. सपना, 1263. संगे-संग एलौं संगिया मरि गेल हम भुतिआइ छी, 1264. उवाणि, 1265. विचारक प्रबलता, 1266. अपन रचित रचना, 1267. थाहल संगी, 1268. आत्मबल, 1269. विश्वासहीन, 1270. बुलन्दी, 1271. अप्पन साती, 1272. खिच्चड़ि, 1273. भंगतराह कवि, 1274. भंगतराह कवि, 1275. कनियें-मनियें पूँजी, 1276. पुरुखढौह, 1277. सिमानक झगड़ा, 1278. जिनगी भार बनि गेल, 1279. परिवारक योग, 1280. मनुक्ख खौक, 1281. साहित्यकारक विवेक, 1282. भाषाक बेथा,

1283. बुझबे ने केलिऐ, 1284. जीवनक सम्बन्ध, 1285. गैंचाह लोक, 1286. जिनगीकेँ पटैक भगलौं, 1287. अन्तिम आशा, 1288. गजपट मारि, 1289. कन्हजोड़, 1290. अनहोनी, 1291. होनी, 1292. भवितव्य, 1293. ओसचट बीमारी, 1294. पुत्र परीक्षा, 1295. अप्पन मन बुझाएब, 1296. जड़ौर, 1297. अलोपित, 1298. कुमहरक बतिया, 1299. सिमानक आड़ि, 1300. नब बनक नब फल, 1301. सुमारक, 1302. अन्तिम भेँट, 1303. अनहरिया, 1304. निरन्तर, 1305. शॉर्टकट रास्ता, 1306. अपेछा टुटि गेल, 1307. सुनयना बेटी, 1308. आब नइ जीब, 1309. सेहन्ता सेहन्ते रहि गेल, 1310. धुरफन्ना लोक, 1311. घरदेखी, 1312. बासभूमि, 1313. इज्जतपर पड़ि गेल, 1314. अहीं जीतलौं, 1315. गामसँ गाए उपैट गेल, 1316. भारक बड़बड़िया, 1317. रूपैं बदैल गेल, 1318. वंशक धर्म, 1319. उपराग, 1320. केकरा भगाउ आ केकरा बसाउ, 1321. खीरा लत्तीमे रोजगार, 1322. टकुआटान, 1323. पोस्टमार्टम, 1324. ऐ सालक नाह बुड़ि गेल, 1325. सामंजस्य, 1326. महींसवारक गाम, 1327. दसअना छहअनाए, 1328. वाह रे हम, 1329. एक जूम तमाकुल, 1330. चपरासीक गाम, 1331. बनरफाँस, 1332. हँस्सा ठक, 1333. विश्वासू मन, 1334. चोरनी पिल्ली, 1335. गामक जमीने पथरा गेल, 1336. एकलव्यपन, 1337. केलहा साफल, 1338. त्रिशूलपर लटकल गाम, 1339. त्रिशंकू गाम, 1340. चारिम कनियाँ, 1341. वंश नाश, 1342. लोक लाज, 1343. धानक कमठौन, 1344. एक चुटकी खुशी, 1345. अनका सिरे, 1346. समयक फेड़, 1347. कोढ़ि, 1348. मुहाँ-ठुठ्ठी, 1349. औनाकऽ मरए लगलौं, 1350. जेहेन आँखि तेहेन पाँखि, 1351. चौरचनक केरा, 1352. सुख-दुख, 1353. दुख-सुख, 1354. जीवन की आ जीवनक उद्देश्य की, 1355.

अंधविश्वास, 1356. बखेरिया लोक, 1357. नव जीवन, 1358. प्रीति, 1359. पुरुषार्थ, 1360. मन टँगि गेल, 1361. नियति आ पुरुषार्थ, 1362. जे ननू से गर्भहि ननू, 1363. पुरुखक डीह, 1364. पाशापर, 1365. संचरण, 1366. कंजूस, 1367. बाबाक पौती, 1368. भँसिया गेलौं, 1369. उबारि देलौं, 1370. श्रद्धा, 1371. केकरोपर आश्रित, 1372. समैया लुच्चा, 1373. उकड़ू समयमे सुकड़ू काज जारी...

❑❑❑

❑❑

❑

Notes